FYBA
16/4/18
2 to 5
pages - 4

Hindi L

150

Q. P. Code: 33722

Final

समय : ३ घंटे पूर्णांक : १००

सूचना : १) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

२) उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक / उपप्रश्न क्रमांक अवश्य डालें।

प्रश्न - १) निम्नलिखित अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :- (२०)

(क)

"क्योंकि मैं ही
सिर्फ मैं ही जानता हूँ
मेरी पीठ पर
मेरे समय के पंजों के
कितने निशान हैं
कि कितने अभिन्न हैं
मेरे समय के पंजे
मेरे नाखूनों की चमक से"

अथवा

"दो बात कही दो बात सुनी, कुछ हँसे और फिर कुछ रोये।
छक कर सुख दुःख के घूँटों को, हम एक भाव से पिए चलें।।
हम भिखमंगों की दुनिया में, स्वछंद लुटाकर प्यार चले।
हम एक निशानी उर पर, लेकर असफलता का भार चले।।"

(ख) "देवर तो मेरा अगले जन्म में भी रहेगा। उसी ने मुझसे रुखाई दिखायी नहीं तो क्या ये पाँव कटे बिना उस देहली से बाहर निकल सकते थे? उसने मुझसे मन फेरा, मैंने उससे। ऐसा बदला लिया उससे।"

अथवा

"देखिए मैं पाकिस्तान में कोई धंधा नहीं करूँगा। एक तो आबिदा वहाँ जाएगी नहीं, दूसरे अब तो बुश्रा का भी सोचना पड़ता है, और तीसरा यह कि अपना तो सारा मुल्क ही करप्ट का मारा हुआ है। इतनी रिश्वत देनी पड़ती है कि दिल करता है सामने वाले को चार जूते लगा दूँ। ऊपर से नीचे तक सब करप्ट। अगर हम दोनों को मिल कर कोई काम शुरू करना है तो यहीं इंग्लैंड में रह कर करना होगा।"

9FE72D2B8ADCF4B906821709A2746CDE

प्रश्न - २) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- **(३०)**

(च) 'बसंती हवा' कविता में वर्णित प्रकृति - चित्रण का अपने शब्दों में विस्तार से वर्णन कीजिये।

अथवा

'चल पड़े जिधर दो डग मग में' कविता के माध्यम से महात्मा गाँधी जी के व्यक्तित्व का समाज पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डालिए।

(छ) 'वापसी' कहानी के माध्यम से मध्यमवर्गीय परिवार की विवशताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सिक्का बदल गया' कहानी की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न - ३) निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :- **(१०)**

(ट) 'बात बोलेगी' कविता का संदेश।

अथवा

'किस्सा जनतंत्र' कविता की मूल संवेदना।

(ठ) ट्राली और वैन वाले गणपति की शुरुवाती बातचीत।

अथवा

'दलित ब्राह्मण' कहानी के कुरील साहब।

प्रश्न - ४) निम्नलिखित प्रश्नों के <u>एक</u> वाक्य में उत्तर लिखिए :- **(१०)**

१) शमशेरबहादुर सिंह के अनुसार बात क्या खोलेगी?
२) केदारनाथ सिंह की आत्मा की खुशी किसका दर्द है?
३) 'चल पड़े जिधर दो डग मग में' कविता किसे आधार बना कर लिखी गयी है?
४) शिवमंगल सिंह सुमन के अनुसार किसका पानी मर गया है?
५) 'विद्रोहिणी' कविता की रचनाकार का नाम लिखिए।
६) गजाधर बाबू कहाँ नौकरी करते थे?
७) सोमा बुआ के पास मृतपुत्र की एकमात्र निशानी क्या थी?
८) मेडिकल कॉलेज के किस छात्र ने आत्महत्या कर ली थी?
९) खलील जैदी और नजम जमाल कहाँ रहते हैं?
१०) 'दलित ब्राह्मण' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

9FE72D2B8ADCF4B906821709A2746CDE

प्रश्न - ५) निम्नलिखित विषयों में से किसी <u>एक</u> विषय पर निबंध लेखन कीजिए :- (१०)

१) कर्ज में डूबे एक किसान की आत्मकथा।
२) महानगरों में जल कटौती एक समस्या।
३) इंटरनेट के फायदे और नुक्सान।
४) महँगाई की मार और सामान्य जनता।

प्रश्न - ६) (अ) सूचना के अनुसार निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- (१०)

१) निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए :- (०२)

१) बूढ़ा २) मोरनी

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन परिवर्तन कीजिए :- (०२)

१) रुपया २) दुकानें

३) निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए :- (०२)

१) निशा २) सुगंध

४) निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थी शब्द लिखिए :- (०२)

१) सुबह २) अच्छा

५) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिये :- (०२)

१) मुँह मोड़ लेना।
२) दाल में काला होना।

(आ) निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण अथवा वाक्य का पल्लवन कीजिये :- (१०)

१) लोक संस्कृति में स्त्री की भूमिका भिन्न - भिन्न रूपों में चित्रित होती देखी जाती है। अधिकांशतः यह छवि श्रम करती महिलाओं की होती है। जिसमें स्त्री या तो घर की चार दीवारी के बीच जिम्मेदारियाँ निभाती देखी जाती है या फिर खेतों खलिहानों में काम करती दिखायी पड़ जाती है। इन महिलाओं में श्रम के साथ लज्जा और कोमलता का भाव भी होता है। जो उनमें मिट्टी में गंध की तरह रचा बसा होता है। विपरीत स्थितियों में कई बार यही स्त्रियाँ साहस का पर्याय बनकर सामने आती हैं। ये स्त्रियाँ खेतों - खलिहानों में काम तक ही सीमित नहीं रहतीं बल्कि हथियारों के साथ एक योद्धा के रूप में शत्रु का सामना करती हुई भी दिख जाती हैं। सुकोमल स्वभाव की ये स्त्रियाँ आवश्यकता पड़ने पर विरोधी स्वर के रूप में सामने आती हैं। असहाय स्थितियों में भी वह मेहनत मजदूरी कर स्वाभिमान से जीने की क्षमता

9FE72D2B8ADCF4B906821709A2746CDE

रखती हैं। हर प्रकार की भूमिका को कुशलतापूर्वक निभा ले जाने की अद्भुत शक्ति उनमें समाहित होती है। इन सब के बावजूद उनके जीवन का एक कटु सत्य यह भी है कि घर हो बाहर स्त्रियों के जीवन में शोषण से मुक्ति नहीं है।

अथवा

२) काल करै सो आज कर।

****

9FE72D2B8ADCF4B906821709A2746CDE